प्रदर्शनी हकेंवि में हरियाणा दिवस के मौके पर प्रदर्शनी का आयोजन

हरियाणा की प्रथम नगरीय सभ्यता, वैदिक सभ्यता पानीपत की लड़ाई और हर्षवर्धन काल का चित्रण

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में हरियाणा दिवस के मौके पर एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की ओर से आयोजित हरियाणा केंद्रित प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी ने हरियाणा के इतिहास और समृद्ध संस्कृति को उनकी स्मृति में तरोताजा कर दिया है।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि प्रदर्शनी में हरियाणा की पुरातन व आधुनिक संस्कृति का संगम देखकर बेहद आनंद की अनुभूति हुई। उन्होंने कहा कि मनुष्य की पहचान उसके इतिहास व संस्कृति से विश्वभर में की जाती है। यही कारण है कि भारतीय संविधान भी भारतीय संस्कृति एवं धरोहर अक्षुण्य रखने का कर्त्तव्य बोध हर नागरिक में आरोपित करने का प्रयास करता है। इसलिए हमारा कर्त्तव्य है कि हम हरियाणा व देश की संस्कृति को सहेजने का हरसंभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हकेंवि में भारत के विभिन्न राज्यों से आए विद्यार्थी अध्ययनरत हैं एवं प्राध्यापक व कर्मचारी कार्यरत हैं और इन सभी को हरियाणा की संस्कृति से रूबरू कराने का यह प्रयास सराहनीय है।

प्रो. कुहाड़ ने इतिहास विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए अपने जीवन के अनुभव भी अपने साथी शिक्षकों से साझा किए। विभाग की ओर से कुछ ऐतिहासिक महत्व रखने वाले पुरातत्व अवशेषों को भी प्रदर्शित किया गया। इतिहास एवं पुरातत्व विभाग व हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी, कुरुक्षेत्र के संयुक्त प्रयासों से आयोजित प्रदर्शनी में हरियाणा की प्रथम नगरीय सभ्यता, वैदिक सभ्यता, पानीपत की लड़ाई, हर्षवर्धन काल और 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा राज्य के योगदान का बखूबी चित्रण पेश किया गया। विभाग के प्रभारी डॉ. नरेंद्र परमार ने बताया कि प्रदर्शनी में न सिर्फ हरियाणा के इतिहास को प्रदर्शित किया गया है, बल्कि हरियाणा के ग्रामीण जीवन, कृषि, कुश्ती, यातायात के साधन, हवेलियों कोस मीनार, महत्त्वपूर्ण सराय, बावडियों, व मंदिर वास्तुकला का भी चित्रण किया गया है। इसमें हरियाणा केंद्रित पुस्तकों का एक संग्रह भी अवलोकन के लिए रखा गया। रजिस्ट्रार रामदत्त, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. अमर सिंह, परीक्षा नियंत्रक विपुल यादव सहित विभिन्न विभागों के प्रभारी व शिक्षक विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़. प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

संस्कृति को सहेजना कर्तव्य: कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हरियाणा दिवस पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की ओर से आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी ने हरियाणा के इतिहास और समृद्ध संस्कृति को उनकी स्मृति में तरोताजा कर दिया है। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि मनुष्य की पहचान उसके इतिहास व संस्कृति से विश्वभर में की जाती है। इसलिए हमारा कर्त्तव्य है कि हम हरियाणा व देश की संस्कृति को सहेजने का हरसंभव प्रयास करें। हरियाणा राज्य के स्वर्ण जयंती वर्ष के सफलतम आयोजन और इसमें युवाओं के योगदान की भी प्रशंसा की।इस मौके पर रजिस्ट्रार रामदत्त, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. अमर सिंह, डा. बीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक विपुल यादव आदि थे।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा की संस्कृति को सहेजना हमारा कर्तव्य : कुहाड़

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में हरियाणा दिवस के मौके पर बुधवार को एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की ओर से आयोजित हरियाणा केंद्रित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी ने हरियाणा के इतिहास और समृद्ध संस्कृति को उनकी स्मृति में तरोताजा कर दिया है। प्रदर्शनी में हरियाणा की पुरातन व आधुनिक संस्कृति का संगम देखकर बेहद आनंद की अनुभूति हुई।

हकेंवि में प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ व अन्य ● जागरण

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि मनुष्य की पहचान उसके इतिहास व संस्कृति से विश्वभर में की जाती है और यही कारण है कि भारतीय संविधान भी भारतीय संस्कृति एवं धरोहर अक्षुण्ण रखने का कर्तव्य बोध हर नागरिक में आरोपित करने का प्रयास करता है। इसलिए हमारा कर्त्तव्य है कि हम हरियाणा व देश की संस्कृति को सहेजने का हरसंभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत के विभिन्न राज्यों से आए विद्यार्थी अध्ययनरत हैं एवं प्राध्यापक व कर्मचारी कार्यरत हैं। इन सभी को हरियाणा की संस्कृति से रूबरू कराने का वह प्रयास सराहनीय है।

प्रो. कुहाड़ ने इस अवसर पर हरियाणा राज्य के स्वर्ण जयंती वर्ष के सफलतम आयोजन और इसमें युवाओं के योगदान की भी प्रशंसा की। कुलपति ने इतिहास विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए अपने जीवन के अनुभव भी अपने साथी शिक्षकों से साझा किए। इस अवसर पर विभाग की ओर से कुछ ऐतिहासिक महत्व रखने वाले पुरातत्व अवशेषों को भी प्रदर्शित किया गया।

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग व हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी, कुरूक्षेत्र के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी में मुख्य रूप से हरियाणा की प्रथम नगरीय सभ्यता, वैदिक सभ्यता, पानीपत की लड़ाई, हर्षवर्धन काल और 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा राज्य के योगदान का बखूबी चित्रण पेश किया गया। विभाग के प्रभारी डॉ. नरेंद्र परमार ने बताया कि इस प्रदर्शनी में न सिर्फ हरियाणा के इतिहास को प्रदर्शित किया गया है बल्कि हरियाणा के ग्रामीण जीवन, कृषि, कुश्ती, यातायात के साधन, हवेलियों कोस मीनार, महत्वपूर्ण सराय, बावड़ियों, व मंदिर वास्तुकला का भी चित्रण इस प्रदर्शनी में किया गया।

इस प्रदर्शनी में हरियाणा केंद्रित पुस्तकों का एक संग्रह भी अवलोकन के लिए रखा गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति द्वारा किया गया और इस अवसर पर छात्राओं ने परम्परागत तरीके से तिलक कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार रामदत्त, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. अमर सिंह, परीक्षा नियंत्रक विपुल यादव सहित विभिन्न विभागों के प्रभारी व शिक्षक विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे।

हरियाणा की संस्कृति को सहेजना हमारा कर्त्तव्य : प्रो. कुहाड़

महेंद्रगढ़, 1 नवम्बर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.) में हरियाणा दिवस के मौके पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की ओर से आयोजित हरियाणा केंद्रित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी ने हरियाणा के इतिहास और समृद्ध संस्कृति को उनकी स्मृति में तरोताजा कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में हरियाणा की पुरातन व आधुनिक संस्कृति का संगम देखकर बेहद आनंद की अनुभूति हुई।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि मनुष्य की पहचान उसके इतिहास व संस्कृति से विश्वभर में की जाती है और यही कारण है कि भारतीय संविधान भी भारतीय संस्कृति एवं धरोहर अक्षुण रखने का कर्त्तव्य बोध हर नागरिक में आरोपित करने का प्रयास करता है। इसलिए हमारा कर्त्तव्य है कि हम हरियाणा व देश की संस्कृति को सहेजने का हरसंभव प्रयास करें।उन्होंने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत के विभिन्न राज्यों से आए विद्यार्थी अध्ययनरत हैं एवं प्राध्यापक व कर्मचारी कार्यरत हैं और इन सभी को हरियाणा की संस्कृति से

कार्यक्रम में रिबन काटते कुलपति आर.सी. कुहाड़। (मोहन)

रू-ब-रू करवाने का यह प्रयास सराहनीय है।

प्रो. कुहाड़ ने इस अवसर पर हरियाणा राज्य के स्वर्ण जयंती वर्ष के सफलतम आयोजन और इसमें युवाओं के योगदान की भी प्रशंसा की। कुलपति ने इतिहास विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए जीवन के अनुभव भी साथी शिक्षकों से सांझा किए।

इस अवसर पर विभाग की ओर से कुछ ऐतिहासिक महत्व रखने वाले पुरातत्व अवशेषों को भी प्रदर्शित किया गया। इतिहास एवं पुरातत्व विभाग व हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी, कुरुक्षेत्र के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी में मुख्य रूप से हरियाणा की प्रथम नगरीय सभ्यता, वैदिक सभ्यता, पानीपत की लड़ाई, हर्षवर्धन काल और 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा राज्य के योगदान का बखूबी चित्रण पेश किया गया।

विभाग के प्रभारी डा. नरेंद्र परमार ने बताया कि इस प्रदर्शनी में न सिर्फ हरियाणा के इतिहास को प्रदर्शित किया गया है बल्कि हरियाणा के ग्रामीण जीवन, कृषि, कुश्ती, यातायात के साधन, हवेलियों कोस मीनार, महत्वपूर्ण सराय, बावड़ियों, व मंदिर वास्तुकला का भी चित्रण इस प्रदर्शनी में किया गया।

इस प्रदर्शनी में हरियाणा केंद्रित पुस्तकों का एक संग्रह भी अवलोकन हेतु रखा गया।प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति द्वारा किया गया और इस अवसर पर छात्राओं ने परम्परागत तरीके से तिलक कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार रामदत्त, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. अमर सिंह, छात्र कृयाण अधिष्ठाता डा. बीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक विपुल यादव सहित विभिन्न विभागों के प्रभारी व शिक्षक विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे।